देश के पहले डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का शुभारंभ आज

आगाज

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) के 'न्यू भाऊपुर- न्यू खुर्जा सेक्शन' का उद्घाटन करेंगे। इस आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री प्रयागराज में ईडीएफसी के परिचालन नियंत्रण केंद्र (ओसीसी) का भी शुभारंभ करेंगे।

ईडीएफसी का 351 किलोमीटर लंबा न्यू भाऊपुर- न्यू खुर्जा सेक्शन 5,750 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। यह सेक्शन मौजूदा कानपुर-दिल्ली मुख्य लाइन से भी भीड़भाड़ कम कर देगा और भारतीय रेलवे को तेज ट्रेन चलाने में सक्षम करेगा। प्रयागराज में एक अत्याधुनिक ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) ईडीएफसी के पूरे रूट के लिए कमान सेंटर के रूप में कार्य करेगा। आधुनिक आंतरिक सज्जा, श्रम दक्षता संबंधी डिज़ाइन और सर्वश्रेष्ठ ध्वनि विज्ञान के साथ ओसीसी विश्व स्तर पर अपने प्रकार की सबसे बड़ी संरचनाओं में से एक है।

अभी डीजल इंजन से चलेगी मालगाड़ियां : कॉरिडोर के रूट पर पहले डीजल इंजन से मालगाड़ियां चलेंगी, क्योंकि विद्युतीकरण का काम पूरा नहीं हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक जल्द ही इस पर काम हो जाएगा, जिसके बाद इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव इंजन से मालगाड़ी चलाई जाएगी।

ईडीएफसी से उद्योगों को मिलेगी रफ्तार

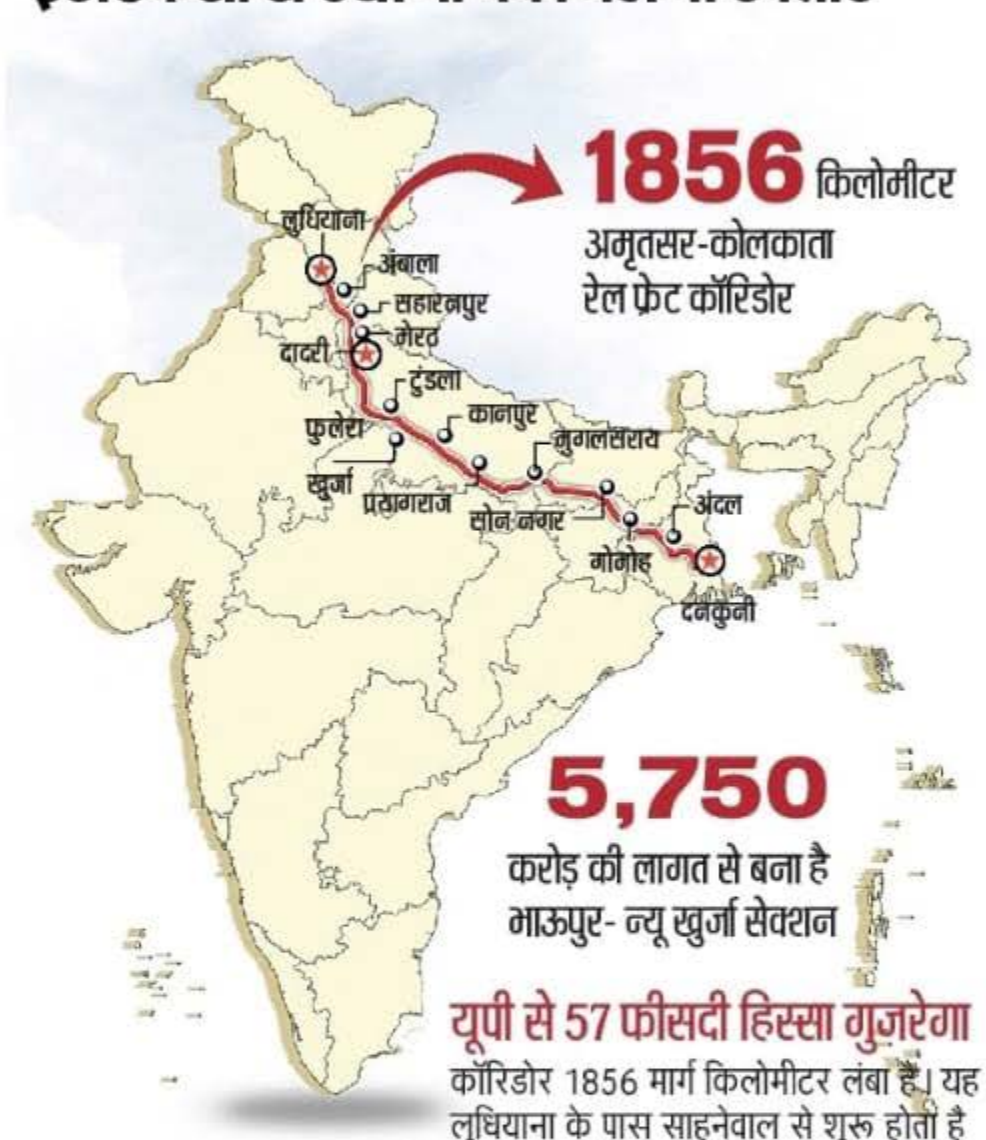

1856 किलोमीटर
अमृतसर-कोलकाता रेल फ्रेट कॉरिडोर

5,750
करोड़ की लागत से बना है भाऊपुर- न्यू खुर्जा सेक्शन

इन पांच उद्योगों को मिलेगा सबसे ज्यादा फायदा

1. कैमिकल एंड फर्टिलाइजर
2. एग्रो एंड फूड प्रोसेसिंग
3. पावर प्लांट्स
4. वेयरहाउसिंग
5. मैन्युफैक्चरिंग एंड एक्सपोर्ट यूनिट्स

यूपी से 57 फीसदी हिस्सा गुज़रेगा

कॉरिडोर 1856 मार्ग किलोमीटर लंबा है। यह लुधियाना के पास साहनेवाल से शुरू होता है और बंगाल के दनकुनी में समाप्त होता है। इस कॉरिडोर का करीब 57 प्रतिशत हिस्सा यूपी से होकर गुजरेगा। यह सेक्शन स्थानीय उद्योगों जैसे एल्यूमीनियम उद्योग (कानपुर देहात जिले का पुखरायां क्षेत्र), डेयरी क्षेत्र (औरैया जिला), कपड़ा उत्पादन / ब्लॉक प्रिंटिंग (इटावा जिला), कांच के सामान के उद्योग (फिरोजाबाद जिला), पॉटरी (बुलंदशहर जिले के खुर्जा), हींग उत्पादन (हाथरस जिला) और ताले और हार्डवेयर (अलीगढ़ जिला) के लिए नए अवसर खोलेगा।

कॉरिडोर के फायदे

- **100** किमी प्रति घंटा की रफ्तार से कॉरिडोर के ट्रैक पर मालगाड़ी चलाई जा सकेगी
- यात्री ट्रेनों की वजह से अभी मालगाड़ियों को इतनी दूरी तय करने में कई बार पूरा दिन लग जाता है
- यात्री ट्रेनों को पास देने के लिए मालगाड़ी को लूप लाइन में खड़ा नहीं होना पड़ेगा

यात्री ट्रेन की रफ्तार बढ़ेगी

पहले से मौजूद ट्रैक पर सामान्य दिनों में 170 से 200 मालगाड़ियां जबकि 375 यात्री ट्रेनें दौड़ रही थीं। मालगाड़ियां स्थानांतरित होने से ट्रैक यात्री ट्रेनों के लिए रह जाएगा, जिससे ट्रेनों के लेट होने का संभावना कम हो जाएगी और रफ्तार में भी तेजी आएगी।

लॉजिस्टिक हब बढ़ेगा

ईस्टर्न झवेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और जेवर एयरपोर्ट को देखते हुए यहां पर लॉजिस्टिक हब विकसित किए जा रहे हैं। यमुना प्राधिकरण ने 1400 हेक्टेयर और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में करीब 700 एकड़ में लॉजिस्टिक हब विकसित करने का खाका खींचा जा चुका है। इन्हीं संभावनाओं को देखते हुए प्रदेश सरकार ने लॉजिस्टिक व वेयर हाउसिंग को उद्योग की श्रेणी में कर दिया है। जमीनों के दाम कम होने से निवेशकों को फायदा मिलेगा।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर काम की स्थिति

1 खुर्जा-भाऊपुर (कानपुर)
351 किलोमीटर के कॉरिडोर पर 29 दिसंबर 2020 से परिचालन शुरू

2 रेवाड़ी - मदार
306 किलोमीटर के इस खंड पर मालवहन इसी महीने शुरू होगा

3 खुर्जा से दादरी
48 किलोमीटर के इस खंड का काम जून 2021 तक पूरा होगा

4 लुधियाना-खुजा
401 किलोमीटर खंड का काम जून 2022 तक पूरा हो जाएगा

5 मदार-पालनपुर
335 किलोमीटर के खंड का काम मार्च 21 तक पूरा होने की उम्मीद

6 रेवाड़ी-दादरी
122 किलोमीटर के इस कॉरिडोर का काम दिसंबर 21 तक पूरा होगा

7 पालनपुर-मकरपुरा (जेएनपीटी)
738 किलोमीटर के इस खंड का काम जून 22 तक हो जाएगा पूरा